तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 48/2018)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 2018

(www.trai.gov.in)

28 फरवरी, 2018 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य बातें

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1156.87**	**22.97**	**1179.83**
फरवरी, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	4.93	-0.10	4.83
मासिक वृद्धि दर	0.43%	-0.45%	0.41%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**650.03**	**19.60**	**669.63**
फरवरी, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-2.82	-0.09	-2.91
मासिक वृद्धि दर	-0.43%	-0.47%	-0.43%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**506.84**	**3.37**	**510.20**
फरवरी, 2018 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	7.75	-0.01	7.74
मासिक वृद्धि दर	1.55%	-0.34%	1.54%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**89.12**	**1.77**	**90.89**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	158.46	4.78	163.24
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	57.09	0.38	57.47
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	56.19%	85.34%	56.76%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	43.81%	14.66%	43.24%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**374.34**	**17.72**	**392.06**

- फरवरी, 2018 के माह में 6.57 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से, जनवरी, 2018 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 344.59 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2018 के अंत तक 351.16 मिलियन हो गया।

- फरवरी, 2018 के अंत तक सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 981.21 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

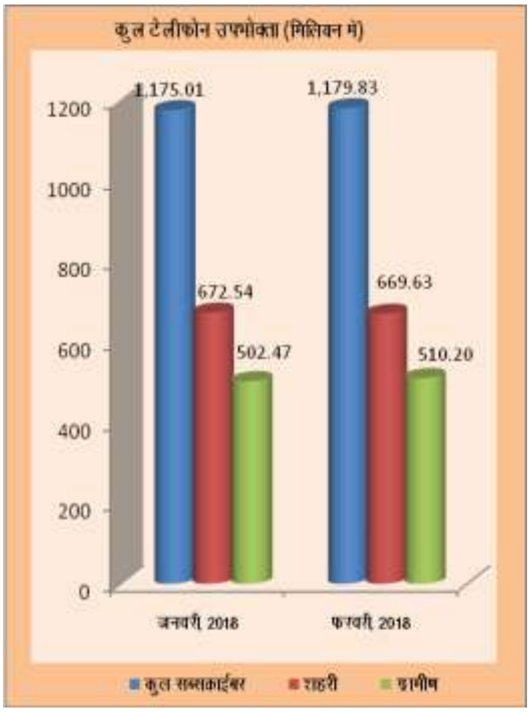

- जनवरी, 2018 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,175.01 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2018 के अंत तक 1,179.83 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.41 प्रतिशत दर्ज की गयी। जनवरी, 2018 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 672.54 मिलियन से घटकर जनवरी, 2018 के अंत तक 669.63 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 502.47 मिलियन से बढ़कर 510.20 मिलियन हो गई। जनवरी, 2018 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः –0.43 प्रतिशत तथा 1.54 प्रतिशत रही।

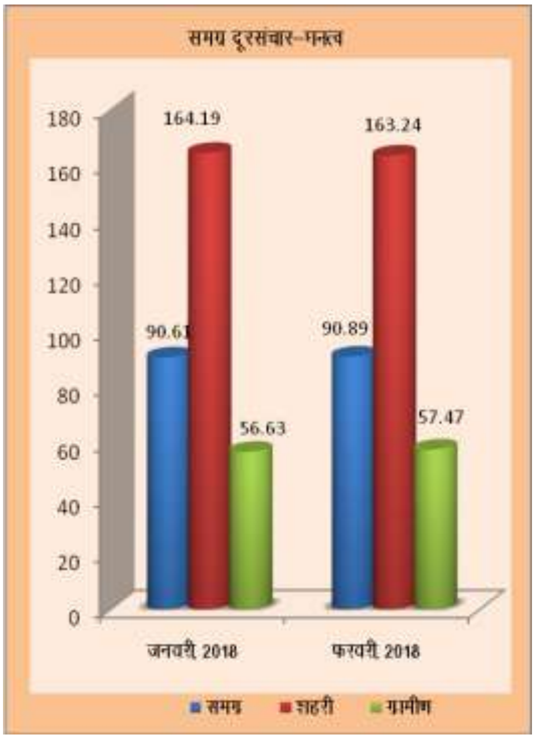

- जनवरी, 2018 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 90.61 से बढ़कर फरवरी, 2018 के अंत तक 90.89 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2018 के अंत तक 164.19 से घटकर फरवरी, 2018 के अंत तक 163.24 हो गया, जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2018 के अंत तक 56.63 से बढ़कर फरवरी, 2018 के अंत तक 57.47 हो गया। जनवरी, 2018 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.76 प्रतिशत तथा 43.24 प्रतिशत थी।

दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

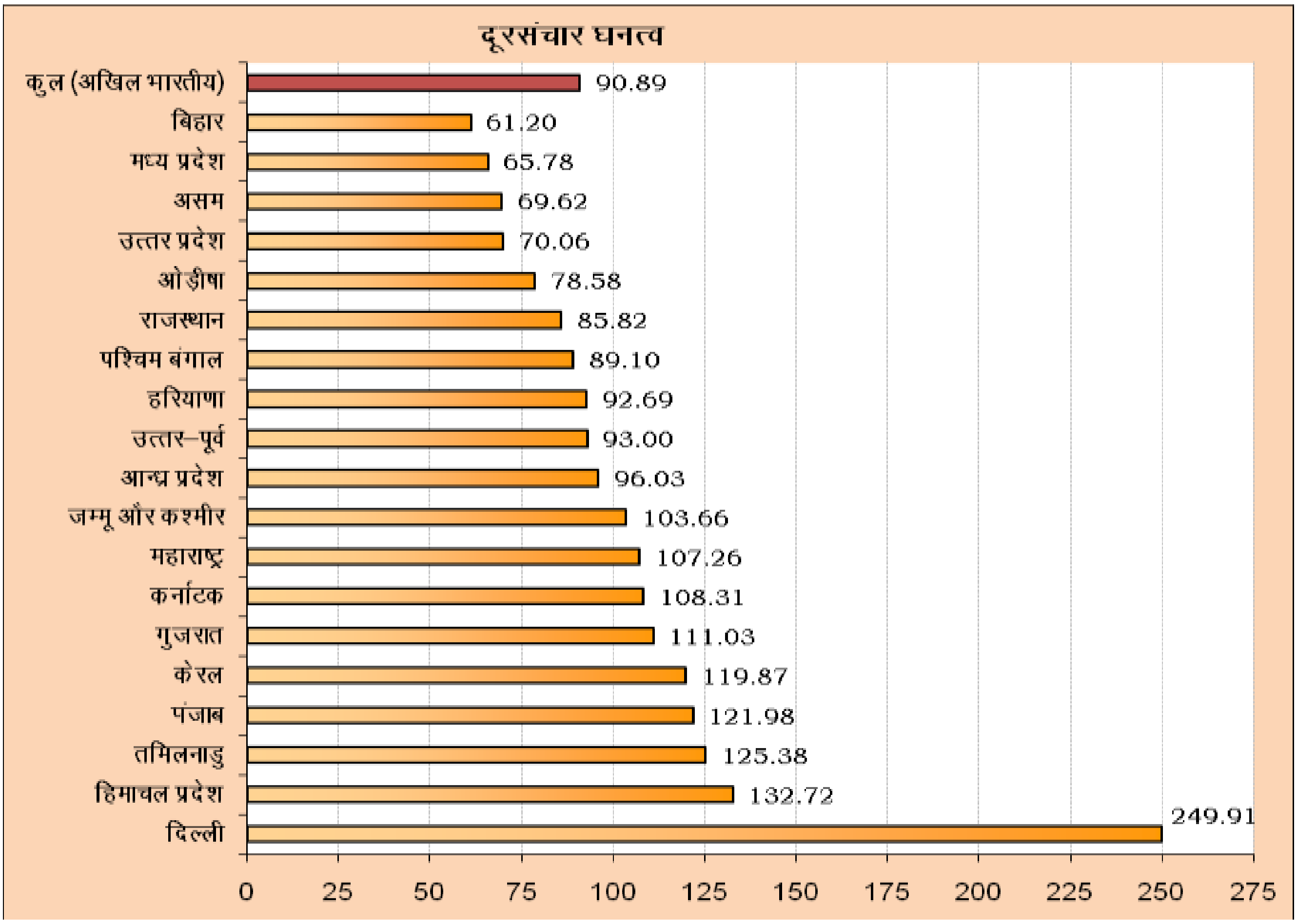

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

फरवरी, 2018 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	फरवरी, 2018 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-52,570	185,293	9,078,107	402,993,202
श्रेणी – ख	-28,859	1,782,367	5,822,998	459,283,378
श्रेणी – ग	3,433	3,778,268	1,045,138	177,963,053
महानगर	-26,262	-814,498	7,018,779	116,628,219
अखिल भारतीय	**-104,258**	**4,931,430**	**22,965,022**	**1,156,867,852**

फरवरी, 2018 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (जनवरी, 2018 से फरवरी, 2018 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2017 से फरवरी, 2018 तक)	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	-0.58	0.05	-5.43	-0.95
श्रेणी – ख	-0.49	0.39	-9.85	-1.20
श्रेणी – ग	0.33	2.17	-10.26	2.62
महानगर	-0.37	-0.69	-1.46	-2.06
अखिल भारतीय	**-0.45**	**0.43**	**-5.68**	**-0.63**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि फरवरी, 2018 के दौरान वायरलैस क्षेत्र में, केवल महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है। अन्य सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल मासिक वृद्धि दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, फरवरी, 2018 के दौरान दौरान श्रेणी 'ग' के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में निबल वृद्धि दर्ज की गई है। अन्य सभी श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में निबल कमी दर्ज की गई है।

III. वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता

- जनवरी, 2018 के अंत तक कुल वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,151.94 मिलियन से बढ़कर फरवरी, 2018 के अंत तक 1,156.87 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.43 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2018 के अंत तक 652.85 मिलियन से घटकर फरवरी, 2018 के अंत तक 650.03 मिलियन हो गई, जबकि इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 499.09 मिलियन से बढ़कर 506.84 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः –0.43 प्रतिशत तथा 1.55 प्रतिशत रही।

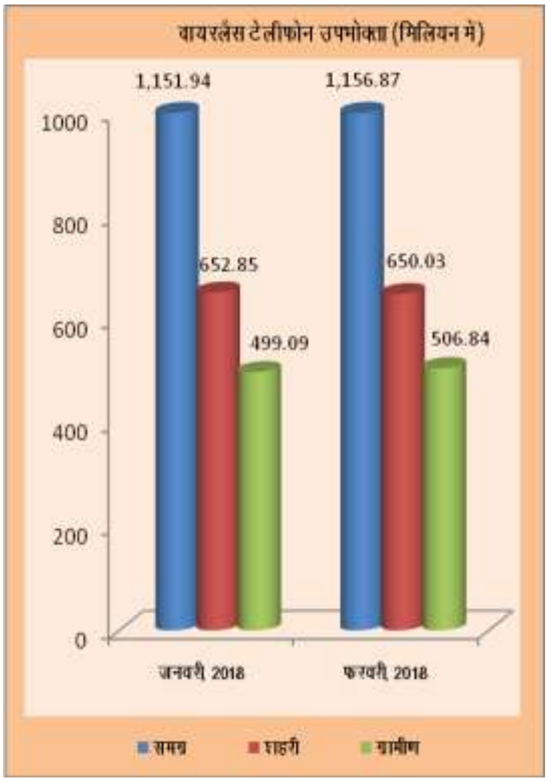

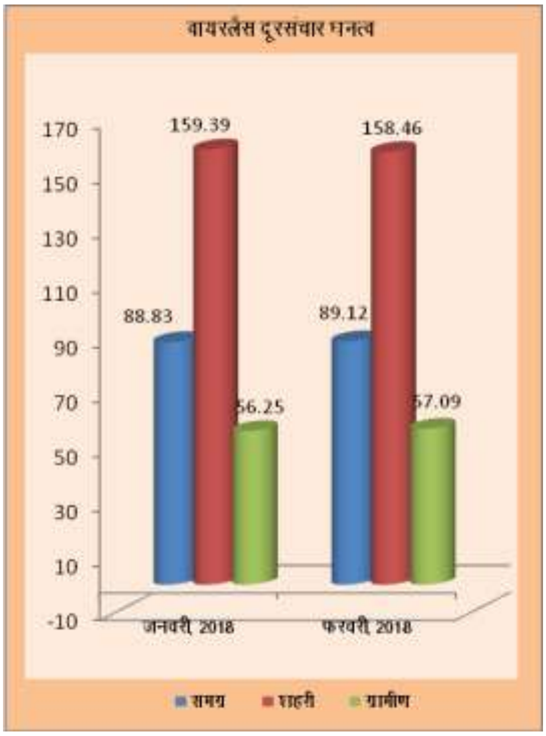

- जनवरी, 2018 के अंत तक वायरलैस दूरसंचार घनत्व 88.83 से बढ़कर फरवरी, 2018 के अंत तक 89.12 हो गया। शहरी क्षेत्रों में जनवरी, 2018 के अंत में वायरलैस दूरसंचार घनत्व 159.39 से घटकर 158.46 हो गया, जबकि इसी दौरान ग्रामीण वायरलैस दूरसंचार घनत्व 56.25 से बढ़कर 57.09 हो गया। फरवरी, 2018 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.19 प्रतिशत तथा 43.81 प्रतिशत थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार, निजी टेलिफोन सेवा प्रदाताओं के पास वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का 90.51 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 9.49 प्रतिशत बाजार की

हिस्सेदारी थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः–

दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

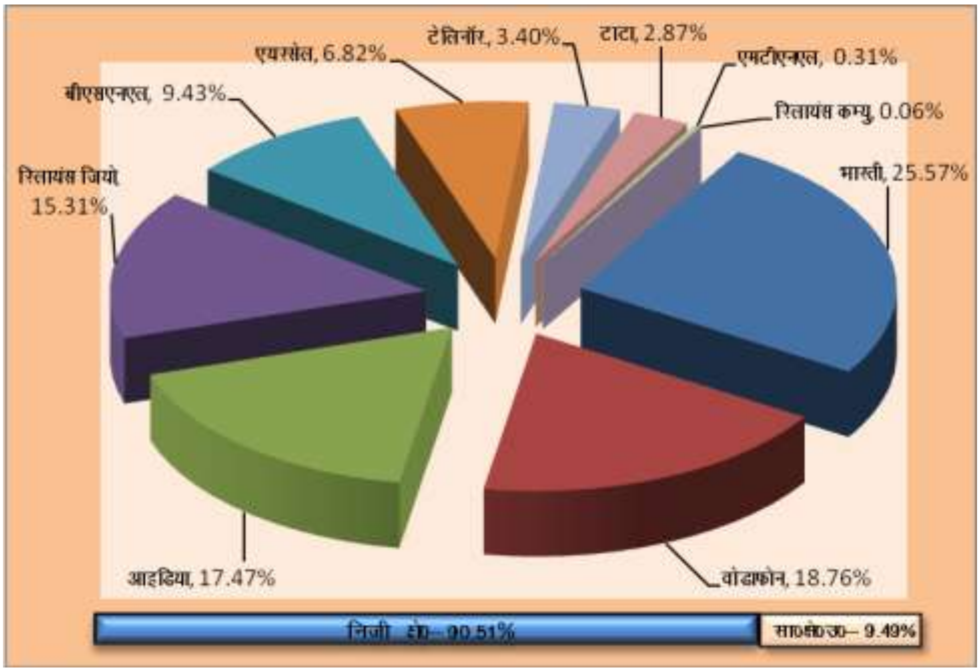

फरवरी, 2018 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

नोट – 1. ऐसा संज्ञान में आया कि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के द्वारा निष्क्रिय उपभोक्ताओं की संख्याओं को घटाकर शेष उपभोक्ताओं की संख्याओं को रिपोर्ट किया जाता था। प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 18.08.2017 को एक निर्देश जारी किया गया है कि सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या का निर्धारण दूरसंचार विभाग के द्वारा दिये गये नियमों के अनुसार करना है तथा तदनुसार रिपोर्ट करनी है। हालांकि कुछ दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अभी तक इसका अनुपालन नहीं किया है।

2. कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण मेसर्स एयरसेल लिमिटेड ने फरवरी, 2018 माह के लिए वायरलेस उपभोक्ताओं की अनुमानित संख्या को रिपोर्ट किया है।

IV. सक्रिय वायरलैस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- फरवरी, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,156.87 मिलियन) में से 981.21 मिलियन वायरलैस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 84.82 प्रतिशत था।

- फरवरी, 2018 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

फरवरी, 2018 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

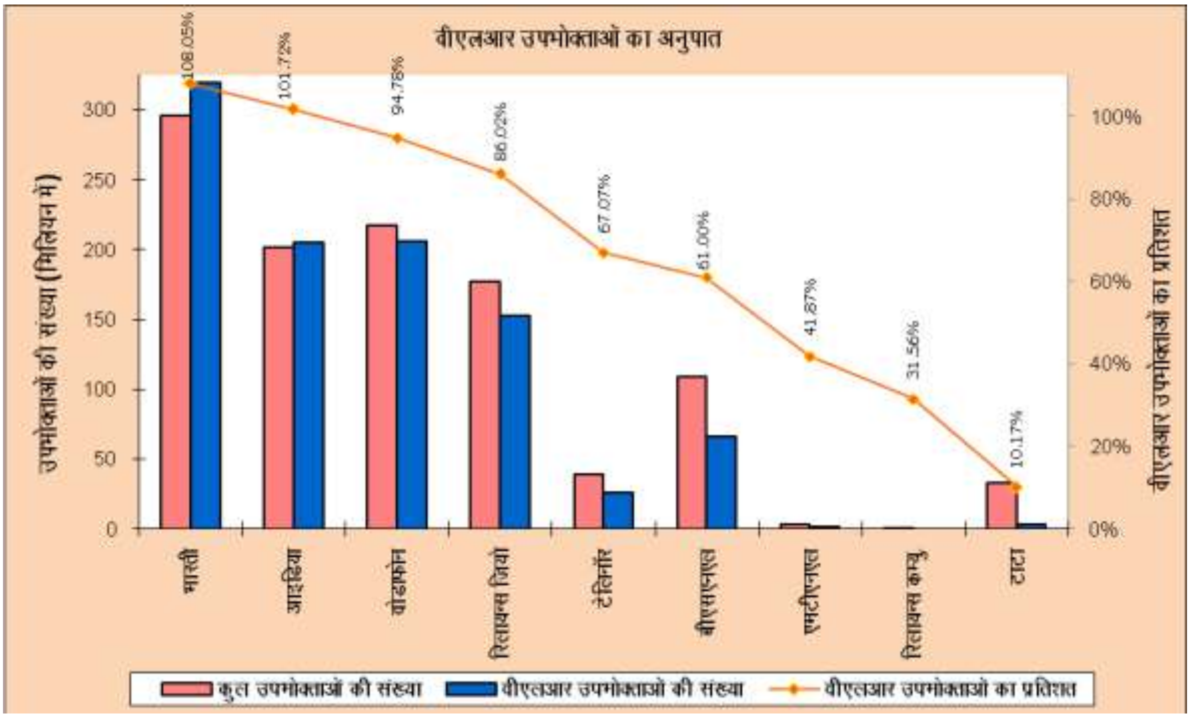

नोट : 1. भारती एयरटेल एवं आइडिया सेल्युलर के नेटवर्क पर इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण उनके वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में अधिक रही।

2. मेसर्स एयरसेल लिमिटेड ने फरवरी, 2018 माह के अधिकतम वीएलआर की तिथी पर अपने सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट नहीं किया है।

फरवरी, 2018 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

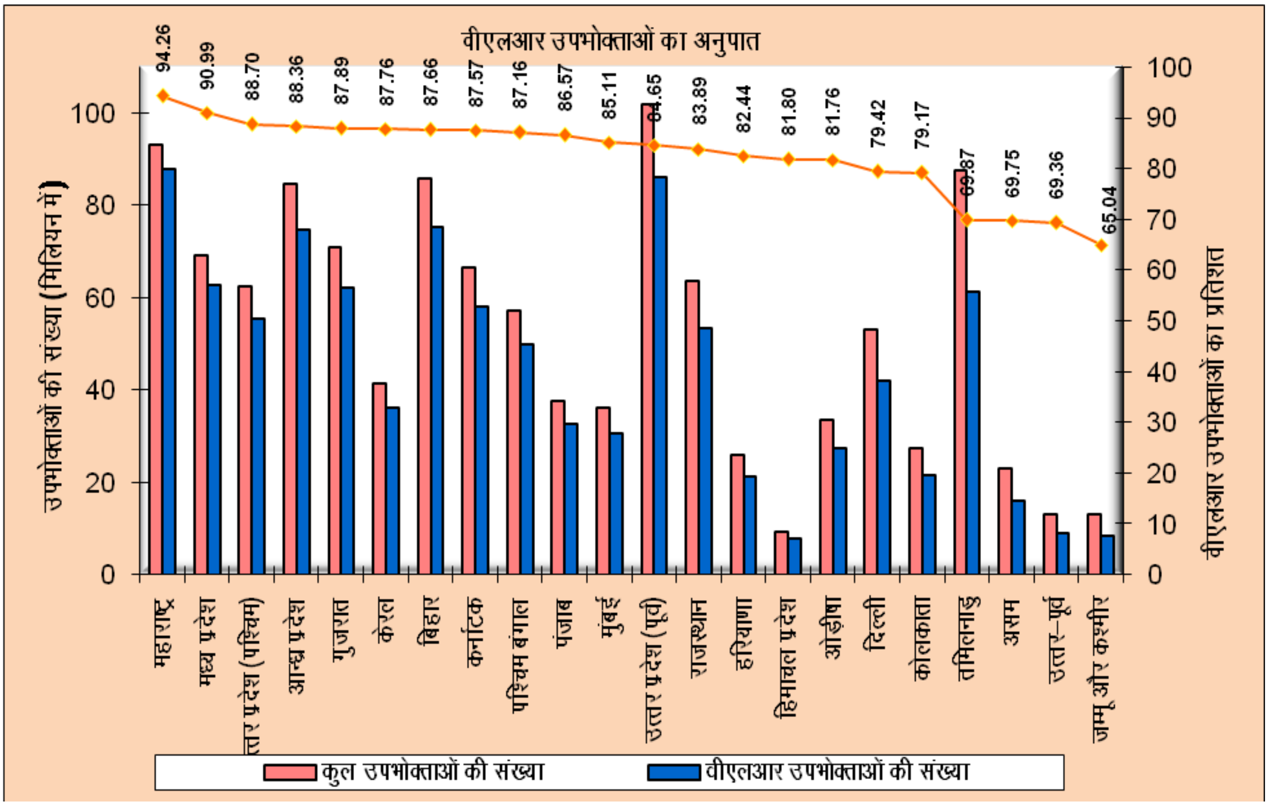

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

फरवरी, 2018 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

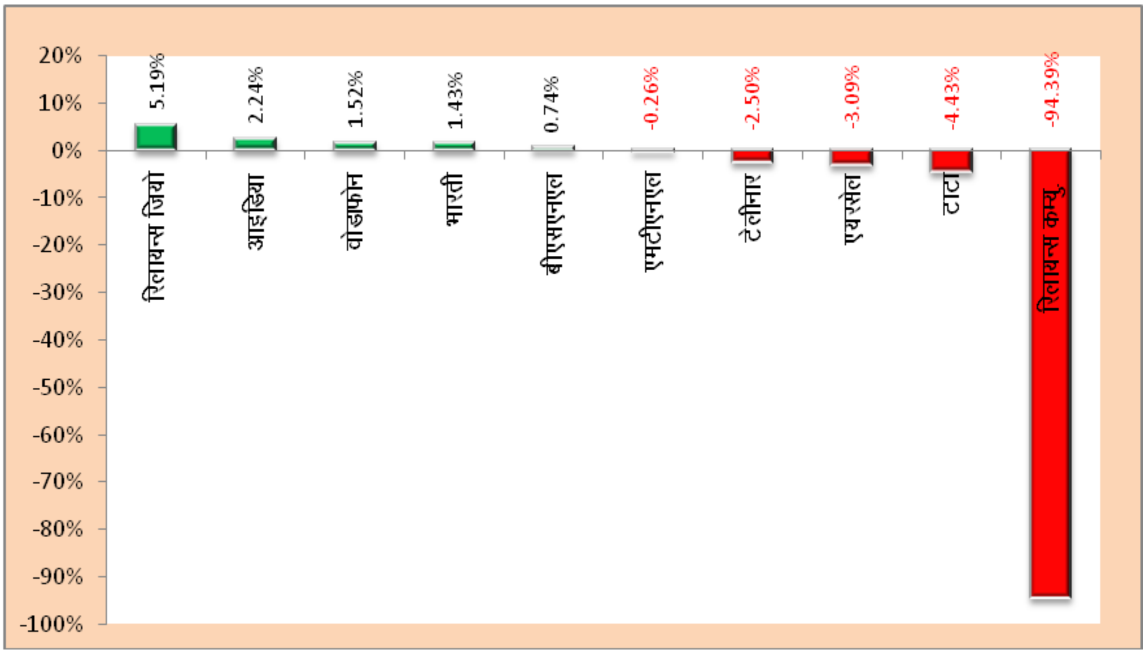

फरवरी, 2018 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

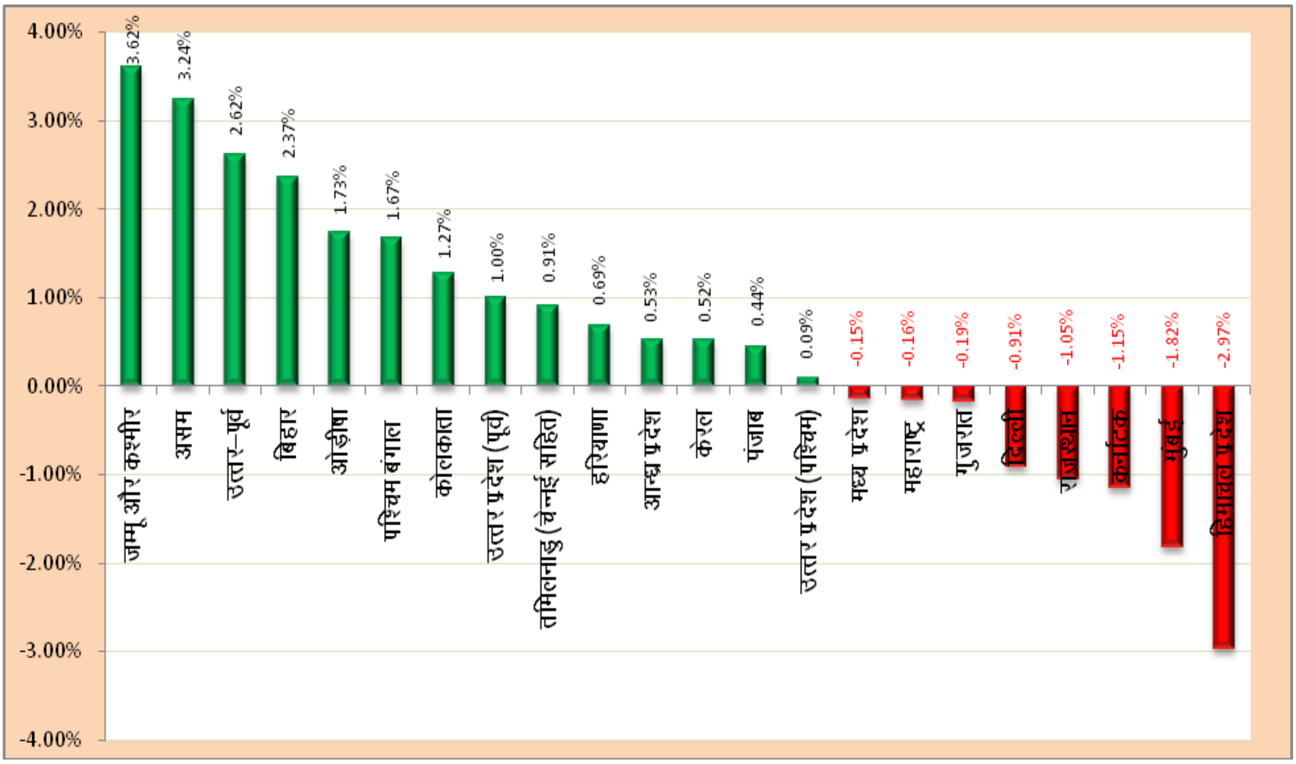

- फरवरी, 2018 के माह के दौरान जम्मू एवं कश्मीर सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि इसी दौरान हिमाचल प्रदेश में सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक ह्रास दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- फरवरी, 2018 के माह में कुल 6.57 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध जनवरी, 2018 के अंत तक 344.59 मिलियन की तुलना में बढ़कर फरवरी, 2018 के अंत तक 351.16 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 29.16 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 25.02 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 35.65 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 30.57 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

फरवरी, 2018 के अंत तक सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध			
जोन–I		जोन–II	
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या
दिल्ली	17,029,943	आन्ध्र प्रदेश	30,571,914
गुजरात	24,215,653	असम	2,161,672
हरियाणा	13,459,912	बिहार	12,797,413
हिमाचल प्रदेश	1,769,343	कर्नाटक	35,651,671
जम्मू और कश्मीर	403,091	केरल	8,956,962
महाराष्ट्र	25,016,876	कोलकाता	8,003,327
मुंबई	19,215,969	मध्य प्रदेश	24,633,003
पंजाब	13,424,108	उत्तर–पूर्व	712,500
राजस्थान	29,156,006	ओड़ीशा	6,848,257
उत्तर प्रदेश–पूर्व	18,744,840	तमिलनाडु	23,710,410
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	15,799,896	पश्चिम बंगाल	18,877,405
कुल	**178,235,637**	कुल	**172,924,534**
कुल (जोन–I + जोन–II)			**351,160,171**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (फरवरी, 2018 माह में)			**6,572,728**

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जनवरी, 2018 के अंत तक 23.07 मिलियन से और घटकर फरवरी, 2018 के अंत तक 22.97 मिलियन हो गया। इस माह में 0.45 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.10 मिलियन की निवल कमी हुई। फरवरी, 2018 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 85.34 प्रतिशत तथा 14.66 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व जनवरी, 2018 के अंत में 1.78 से घटकर फरवरी, 2018 के अंत तक 1.77 रह गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.78 तथा 0.38 रहा।

- फरवरी, 2018 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 68.06 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं।

- फरवरी, 2018 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

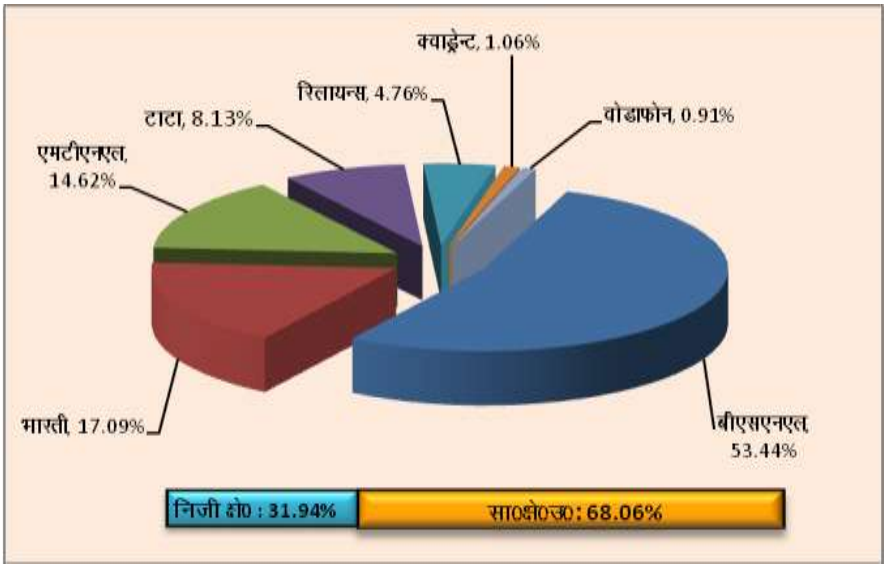

फरवरी, 2018 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

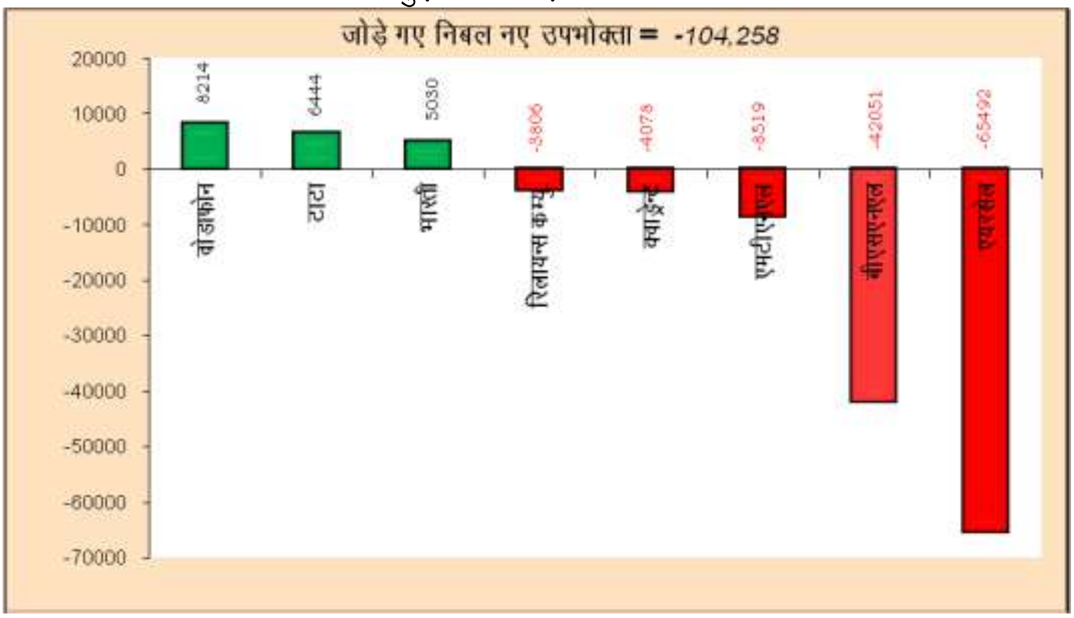

नोट : मेसर्स एयरसेल लिमिटेड ने सूचित किया है कि फरवरी, 2018 माह के दौरान उनके सभी वायरलाइन उपभोक्ताओं की सेवायें बंद हो गई है।

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, जनवरी, 2018 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 378.10 मिलियन से बढ़कर जनवरी, 2018 के अंत में 392.06 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 3.69 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई हैः

फरवरी, 2018 माह में ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		फरवरी, 2018 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 जनवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन उपभोक्ताओं की संख्या	17.87	17.72	-0.88%
मोबाइल उपकरण उपयोगकर्ता (फोन तथा डॉन्गल)	359.80	373.94	3.93%
फिक्सड वायरलैस उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.43	0.40	-6.82%
कुल	**378.10**	**392.06**	**3.69%**

- फरवरी, 2018 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 94.99 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (177.13 मिलियन), भारती एयरटेल (80.24 मिलियन), वोडाफोन (55.54 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (38.52 मिलियन) तथा बीएसएनएल (21.00 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया हैः

दिनांक 28.02.2018 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

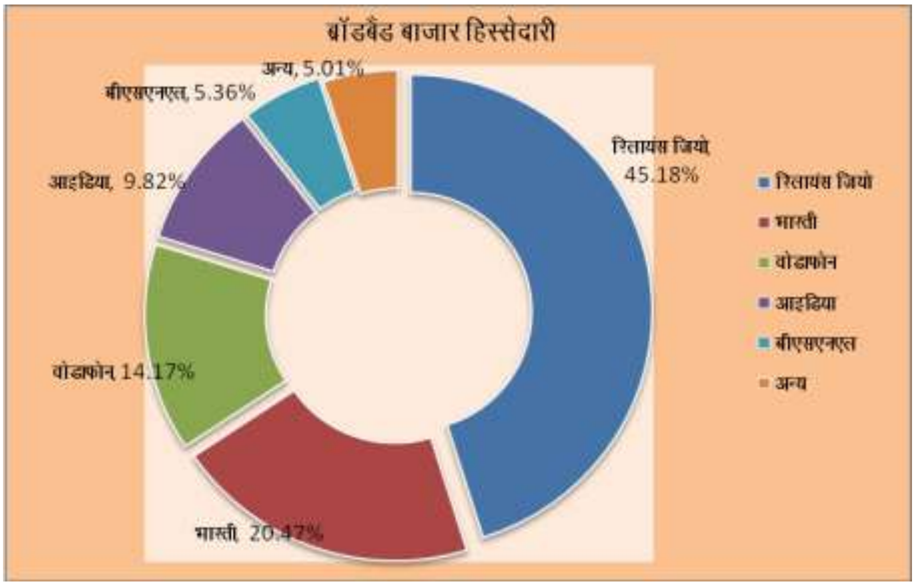

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.30 मिलियन), भारती एयरटेल (2.17 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेस टेक्नॉलाजी (1.30 मिलियन), एमटीएनएल (0.88 मिलियन) तथा हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.75 मिलियन) थे।

- दिनांक 28 फरवरी, 2018 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलैस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (177.13 मिलियन), भारती एयरटेल (78.07 मिलियन), वोडाफोन (55.54 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (38.52 मिलियन) तथा बीएसएनएल (11.71 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह											
	भारती		रिलायन्स		वोडाफोन		टाटा		आइडिया		एयरसेल	
	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018
आन्ध्र प्रदेश	27243637	27251565	282891	19827	6540448	6494795	2956652	2859999	16732811	16959683	2315578	2280719
असम	6781535	7105674	43786	191	3787660	3888691			1156627	1232547	5840961	5811412
बिहार	31266989	31709390	107582	2546	9605053	9971851	772008	717505	12177362	12973886	7361102	7301632
दिल्ली	13124580	13430668	1693900	190170	11819724	12073447	1324675	1273486	6862009	7054416	6576054	6463337
गुजरात	9654665	9694772	872692	4778	20661425	20777643	1773289	1682979	13521096	13827984	63	0
हरियाणा	3958397	3959144	158084	1795	6351878	6415596	1443777	1388730	5117357	5192491	0	0
हिमाचल प्रदेश	3456770	3494635	191102	2250	593564	591311	19608	18776	915167	933628	249378	0
जम्मू और कश्मीर	4092834	4380565	20618	678	846617	864896			565191	614123	3457011	3447971
कर्नाटक	24437369	24560021	1063543	24871	7673507	7731099	5081163	4854192	9339800	9419029	2772679	2709742
केरल	4870592	4893666	149461	4425	7893797	7917355	831541	759349	11656555	11826218	241862	234634
कोलकाता	5644255	5731923	146994	12036	6055728	6183545	1793665	1716310	2461891	2579685	4170547	4117033
मध्य प्रदेश	15116472	15278517	1427387	238352	6548274	6596051	3195543	3092328	26596987	27011779	52	0
महाराष्ट्र	14695353	14618006	360042	8776	20397736	20535989	3658218	3490226	28863475	29414944	604533	0
मुंबई	7754611	7834821	1123339	99793	9726376	9775597	2085651	2007357	4506549	4571220	2370747	2324424
उत्तर–पूर्व	4431631	4598186	0	0	1576256	1619941			468784	496730	3349248	3341127
ओड़ीशा	12017446	12197449	99785	817	4314124	4455900	1140557	1075049	1746062	1852991	3967939	3937802
पंजाब	9787421	9821577	298669	3319	4939076	4960073	1375384	1324804	7447396	7536584	821072	801576
राजस्थान	21822760	21941342	1486119	17834	11808027	11886569	408296	381492	7850159	7957854	6169611	6118012
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	20028886	21035649	951604	22251	16630703	17407912	2573186	2418833	5567682	5620972	20139301	19448120
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	25288013	25655097	812885	11754	22752762	23240071	2264851	2172047	11714732	12058084	6248159	6171020
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	9212063	9390765	653653	8099	12304037	12415851	1957605	1897864	16632960	16999958	268618	0
पश्चिम बंगाल	16929555	17206310	117220	2367	20983852	21255879	127887	112594	5742153	5932146	4518390	4416121
कुल	**291615834**	**295789742**	**12061356**	**676929**	**213810624**	**217060062**	**34783556**	**33243920**	**197642805**	**202066952**	**81442905**	**78924682**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		4173908		-11384427		3249438		-1539636		4424147		-2518223
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*149298001*	*152300293*	*1794103*	*72864*	*115620406*	*117208473*	*5808882*	*5378104*	*106186586*	*109293224*	*30051108*	*29457658*

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

	सेवा प्रदाता समूह										
सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		टेलीनॉर		रिलायंस जियो		कुल		निबल वृद्धि / कमी
	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	
आन्ध्र प्रदेश	10092416	10116142			4075080	3944730	13952799	14711909	**84192312**	**84639369**	447057
असम	1656069	1722298					2965719	3192794	**22232357**	**22953607**	721250
बिहार	4184999	4248552			7585823	7357619	10765422	11527727	**83826340**	**85810708**	1984368
दिल्ली			2293024	2287665			9883575	10316656	**53577541**	**53089845**	-487696
गुजरात	5634211	5700170			6835021	6572212	12087518	12647923	**71039980**	**70908461**	-131519
हरियाणा	4306538	4352454					4372494	4575236	**25708525**	**25885446**	176921
हिमाचल प्रदेश	2504005	2520709					1796778	1876235	**9726372**	**9437544**	-288828
जम्मू और कश्मीर	1553874	1566655					2022972	2138379	**12559117**	**13013267**	454150
कर्नाटक	7265239	7266839					9643863	9936567	**67277163**	**66502360**	-774803
केरल	10283343	10374603					5214732	5344457	**41141883**	**41354707**	212824
कोलकाता	1334008	1382818					5478242	5706181	**27085330**	**27429531**	344201
मध्य प्रदेश	5910914	5912472					10416340	10981815	**69211969**	**69111314**	-100655
महाराष्ट्र	7039426	7069321			5412303	5156825	12325133	12911454	**93356219**	**93205541**	-150678
मुंबई			1281108	1277095			7931465	8218536	**36779846**	**36108843**	-671003
उत्तर–पूर्व	1518611	1522923					1451637	1552237	**12796167**	**13131144**	334977
ओड़ीशा	5266457	5305906					4492062	4790869	**33044432**	**33616783**	572351
पंजाब	5199175	5242265					7597707	7941457	**37465900**	**37631655**	165755
राजस्थान	5560512	5616033					9241448	9750616	**64346932**	**63669752**	-677180
तमिलनाडु(चेन्नई सहित)	9928807	10016832					11122066	11766902	**86942235**	**87737471**	795236
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	11510334	11614218			9447236	9403657	10795225	11515140	**100834197**	**101841088**	1006891
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5831668	5842535			6947009	6858308	8602178	9053407	**62409791**	**62466787**	56996
पश्चिम बंगाल	1730836	1722063					6231921	6675149	**56381814**	**57322629**	940815
कुल	**108311442**	**109115808**	**3574132**	**3564760**	**40302472**	**39293351**	**168391296**	**177131646**	**1151936422**	**1156867852**	**4931430**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		804366		-9372		-1009121		8740350	0	4931430	
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*35115090*	*35319309*	*47924*	*47812*	*11438006*	*11151469*	*43727373*	*46606443*	499087479	506835649	*7748170*

अनुलग्नक–II

फरवरी, 2018 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	एयरसेल*	भारती	बीएसएनएल	आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	टाटा	टेलीनॉर	वोडाफोन	कुल
आन्ध्र प्रदेश		107.68	71.69	104.18		88.58	81.72	4.96	64.74	89.15	**88.36**
असम		98.95	66.79	99.20		87.43	91.82			94.46	**69.75**
बिहार		102.91	62.07	100.40		42.97	101.34	13.08	75.12	96.52	**87.66**
दिल्ली		102.05		99.37	32.63	17.01	83.67	40.47		95.42	**79.42**
गुजरात		115.00	50.70	102.97		88.84	83.05	3.01	54.05	95.93	**87.89**
हरियाणा		120.84	44.82	103.34		80.78	65.27	3.33		96.74	**82.44**
हिमाचल प्रदेश		97.88	52.97	112.34		52.67	71.62	0.55		96.49	**81.80**
जम्मू और कश्मीर		100.61	58.34	104.14		3.39	80.18			91.11	**65.04**
कर्नाटक		113.49	69.07	100.94		88.15	82.41	2.22		97.23	**87.57**
केरल		108.26	67.85	99.76		77.97	82.85	12.37		96.41	**87.76**
कोलकाता		114.58	65.65	98.42		83.19	89.12	23.24		100.39	**79.17**
मध्य प्रदेश		109.67	61.50	102.90		10.67	85.08	2.78		79.47	**90.99**
महाराष्ट्र		120.05	58.74	102.16		85.43	91.29	26.95	63.89	97.76	**94.26**
मुंबई		118.00		91.70	58.42	36.57	88.69	30.28		88.12	**85.11**
उत्तर–पूर्व		102.74	69.70	100.91		-	85.40			92.31	**69.36**
ओड़ीशा		104.40	71.92	106.17		13.83	94.95	3.61		98.28	**81.76**
पंजाब		113.02	49.29	99.21		76.23	84.63	1.37		94.27	**86.57**
राजस्थान		99.31	70.19	100.23		71.58	82.04	16.97		97.81	**83.89**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)		106.94	66.31	102.66		77.59	84.50	2.35		94.06	**69.87**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)		110.35	47.22	106.45		84.64	92.74	2.56	69.18	96.08	**84.65**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)		115.12	46.74	98.70		77.45	85.94	3.25	71.73	99.21	**88.70**
पश्चिम बंगाल		103.80	82.18	103.36		78.24	81.28	1.64		89.98	**87.16**
कुल		**108.05**	**61.00**	**101.72**	**41.87**	**31.56**	**86.02**	**10.17**	**67.07**	**94.78**	**84.82**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

* मेसर्स एयरसेल लिमिटेड ने फरवरी,2018 माह के लिए अपने सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट नहीं किया है।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स		टाटा		क्वाडेंट		वोडाफोन		एयरसेल		कुल	
	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018	जनवरी, 2018	फरवरी, 2018
आन्ध्र प्रदेश	1058998	1052864			166960	167392	72859	72693	172249	172716			26650	26650	5312		1503028	1492315
असम	136323	135368											2610	2670			138933	138038
बिहार	253850	257218					6227	6227	11404	11442			2070	2100			273551	276987
दिल्ली			1549194	1544304	1314227	1314917	160418	159614	142490	144949			31620	32630	14801		3212750	3196414
गुजरात	1041879	1043825			79090	80352	69936	69887	92601	92600			9857	10037	0		1293363	1296701
हरियाणा	240,439	239,079			22505	22137	3618	3618	38062	38252							304624	303086
हिमाचल प्रदेश	119,934	119,801					3864	3864	2352	2343			60	60			126210	126068
जम्मू और कश्मीर	115,041	115,204															115041	115204
कर्नाटक	1111834	1106334			642505	644318	148115	147473	270488	271532			34395	34455	32194		2239531	2204112
केरल	1872165	1867853			58253	58299	25385	25241	18791	18672			2460	2520			1977054	1972585
कोलकाता	567354	563998			122368	122699	67209	67205	50668	51912			6600	6630	2568		816767	812444
मध्य प्रदेश	672888	667834			261120	258006	19294	19294	15431	15467			660	660			969393	961261
महाराष्ट्र	1270492	1264121			81437	82063	74440	74219	308179	308892			15967	16267	0		1750515	1745562
मुंबई			1816050	1812421	357872	360852	245260	243930	559221	559256			30058	33462	7063		3015524	3009921
उत्तर–पूर्व	113036	112345											210	210			113246	112555
ओड़ीषा	261738	263180					3186	3180	8270	8276			1530	1650			274724	276286
पंजाब	476204	472000			120311	121130	18781	18677	15986	15935	247608	243530	1380	1560	30		880300	872832
राजस्थान	508307	505874			49936	50046	18907	18898	12951	13279			5970	6240	3522		599593	594337
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1541172	1535658			555813	555920	116214	115901	115921	116458			15120	15480			2344240	2339417
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	365435	366035			64172	63738	33791	33778	13067	12801			9160	11280	2		485627	487632
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	310539	309463			22497	22227	6937	6936	9100	8864			4050	4080			353123	351570
पश्चिम बंगाल	277118	274641					1831	1831	3134	3163			60	60			282143	279695
कुल	**12314746**	**12272695**	**3365244**	**3356725**	**3919066**	**3924096**	**1096272**	**1092466**	**1860365**	**1866809**	**247608**	**243530**	**200487**	**208701**	**65492**	**0**	**23069280**	**22965022**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-42051		-8519		5030		-3806		6444		-4078		8214		-65492		-104258

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने

फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

——————